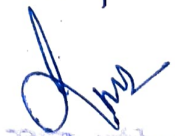


स्वादि निषेधाज्ञा का बाद पेश किया गया
किन्तु दोरने बाद प्रतिवादीगण द्वारा निम्नलिखित
कार्य कर लिया है इसलिये वादी इस
वाद को नहीं चलाना चाहता है इस
वाद को खारिज करवाकर नया वाद अन्तर्गत
द्वारा 183 R.T.A का पेश करना चाहता है
है वादी नया वाद पेश करने के लिये
स्वतंत्र है अधिभाषक द्वारा वादी की ओर
से पेश प्रार्थना पत्र के आधार पर
इस प्रकार को खारिज किया जाता है
पत्रावली कैसल नुमार लेटर नम्बर से
कम की जावे।

निर्णय आज दिनांक 4-1-2021 को खुले
अदालत में सुनाया गया।


जज अथवा अधिकारी
मान्यता प्राप्त न्यायालय

